



# राजपत्र, हिमाचल प्रदेश

## हिमाचल प्रदेश राज्य शासन द्वारा प्रकाशित

---

शिमला, बुधवार 20 जून, 2012/30 ज्येष्ठ, 1934

---

हिमाचल प्रदेश सरकार

आबकारी एवं कराधान विभाग

अधिसूचना

शिमला-9, 15 जून 2012

संख्या: 7-434/2011-ई.एक्स.एन-1-19030-48.-प्रथम नवम्बर, 1966 से ठीक पूर्व हिमाचल प्रदेश में समाविष्ट क्षेत्रों में यथा प्रवृत्त पंजाब ऐक्साईज ऐक्ट 1914 (1914 का 1) की धारा 21 और 59 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा इसके साथ पठित उक्त अधिनियम की धारा 9 के अधीन हिमाचल प्रदेश (ऐक्साईज पावर्ज एण्ड अपील) आर्डरज, 1965 द्वारा मुझ में निहित वित्तायुक्त (आबकारी) की शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैं, जे0सी0 शर्मा, आबकारी एवं कराधान आयुक्त, हिमाचल प्रदेश एतद्वारा उक्त क्षेत्रों में यथा लागू समय-समय पर संशोधित, पंजाब ब्रूरी रूलज 1932 (जिन्हें इसके पश्चात वहां उक्त रूलज कहा गया है) में तुरन्त प्रभाव से निम्नलिखित और संशोधन करता हूं :-

## संशोधन

In the existing rules, the sub-rule (3) of Rule 10.7 shall be substituted by the following, namely:-

“The license fee for a license in Form B-1 shall be payable on beer at the rate of Re.0.50 per unit of 650 mls. meant for sale within the State of Himachal Pradesh and Re.0.10 per unit of 650 mls. meant for export, subject to minimum of Rs.2.00 lacs only per annum.”

आदेश द्वारा,  
हस्ता० /—  
आबकारी एवं कराधान आयुक्त।

*[Authoritative english text of Excise & Taxation Department Notification No.7-434/2011-EXN-I-19030-48. dated 15.6.2012 as required under article 348 (3) of the Constitution of India].*

## EXCISE AND TAXATION DEPARTMENT

## NOTIFICATION

*Shimla-171009, the 15 June, 2012*

**No.7-434/2011-EXN-I- 19030-48.**—In exercise of the powers conferred by section 21 and 59 of the Punjab Excise Act, 1914 (1 of 1914), as applicable in the areas comprised in Himachal Pradesh immediately before 1st November, 1966 and by virtue of the powers of the Financial Commissioner (Excise), conferred on me under section 9 of the said Act, read with the Himachal Pradesh (Excise Power and Appeal) Orders, 1965, I, J.C.Sharma, Excise and Taxation Commissioner, Himachal Pradesh hereby make the following further amendments in the Punjab Brewery Rules, 1932 as amended from time to time (hereinafter called the ‘said rules’) applicable in the said areas with immediate effect :-

## AMENDMENT

In the existing rules, the sub-rule (3) of Rule 10.7 shall be substituted by the following, namely:-

“The license fee for a license in Form B-1 shall be payable on beer at the rate of Re.0.50 per unit of 650 mls. meant for sale within the State of Himachal Pradesh and Re.0.10 per unit of 650 mls. meant for export, subject to minimum of Rs.2.00 lacs only per annum.”

By order,  
Sd/-  
Excise & Taxation Commissioner.

## आबकारी एवं कराधान विभाग

## अधिसूचना

शिमला-9, 15 जून, 2012

**संख्या: 7-434/2011-ई.एक्स.एन-1-19030-48.**—पंजाब पुनर्गठन अधिनियम, 1966 (1966 का 31) की धारा 5 के अधीन हिमाचल प्रदेश को अन्तर्गत राज्य क्षेत्रों में यथा प्रवृत्त पंजाब ऐक्साईज ऐक्ट 1914 (1914 का 1) की धारा 21 और 59 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा उक्त अधिनियम की धारा 9 के अधीन और इसके साथ पठित हिमाचल प्रदेश (ऐक्साईज पावर्ज एण्ड अपील) आर्डरज, 1965 द्वारा मुझ में निहित वित्तायुक्त (आबकारी) की शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैं, जे0सी0 शर्मा, आबकारी एवं कराधान आयुक्त, हिमाचल प्रदेश एतद्वारा उक्त क्षेत्रों में यथा लागू समय-समय पर संशोधित, पंजाब ब्रूरी रूलज 1956 (जिन्हें इसके पश्चात उक्त रूलज कहा गया है) में तुरन्त प्रभाव से निम्नलिखित और संशोधन करता हूँ:-

## संशोधन

In the existing rules, the sub-rule (3) of Rule 10.7 shall be substituted by the following, namely:-

“The license fee for a license in Form B-1 shall be payable on beer at the rate of Re.0.50 per unit of 650 mls. meant for sale within the State of Himachal Pradesh and Re.0.10 per unit of 650 mls. meant for export, subject to minimum of Rs.2.00 lacs only per annum.”

आदेश द्वारा,  
हस्ता0/—  
आबकारी एवं कराधान आयुक्त।

*[Authoritative english text of Excise & Taxation Department Notification No.7-434/2011-EXN-I-19030-48 dated 15.6.2012 as required Under article 348(3) of the Constitution of India].*

## EXCISE AND TAXATION DEPARTMENT

## NOTIFICATION

*Shimla-171009, 15 June, 2012*

**No.7-434/2011-EXN-I-19030-48.**—In exercise of the powers conferred by section 21 and 59 of the Punjab Excise Act, 1914 (1 of 1914), as in force in the territories transferred to Himachal Pradesh under section 5 of the Punjab Reorganisation Act, 1966 (31 of 1966) and by virtue of the powers of the Financial Commissioner, conferred on me under section 9 of the said Act, read with the Himachal Pradesh (Excise Power and Appeal) Orders, 1965, I, J.C.Sharma, Excise and Taxation Commissioner, Himachal Pradesh hereby make the following further amendments in the Punjab Brewery Rules, 1956 as amended from time to time (hereinafter called the ‘said rules’) as in force in the said areas with immediate effect :-

**AMENDMENT**

In the existing rules, the sub-rule (3) of Rule 10.7 shall be substituted by the following, namely:-

“The license fee for a license in Form B-1 shall be payable on beer at the rate of Re.0.50 per unit of 650 mls. meant for sale within the State of Himachal Pradesh and Re.0.10 per unit of 650 mls. meant for export, subject to minimum of Rs.2.00 lacs only per annum.”

By order,  
Sd/-

*Excise & Taxation Commissioner.*

**आबकारी एवं कराधान विभाग****अधिसूचना**

शिमला-171009, 16 जून, 2012

**संख्या: 7-434/2011-ई.एक्स.एन.-19445-464.**—प्रथम नवम्बर, 1966 से ठीक पूर्व हिमाचल प्रदेश में समाविष्ट क्षेत्रों में तथा पंजाब पुनर्गठन अधिनियम, 1966 (1966 का 31) की धारा 5 के अधीन हिमाचल प्रदेश में जोड़े गये क्षेत्रों में यथा प्रवृत्त पंजाब एक्साईज ऐक्ट, 1914 (1914 का 1) की धारा 59 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुये तथा उक्त अधिनियम की धारा 9 के अधीन और इसके साथ पठित हिमाचल प्रदेश (एक्साईज पावर एण्ड अपील) आर्डर, 1965 द्वारा मुझ में निहित वित्तायुक्त (आबकारी) की शक्तियों का प्रयोग करते हुये मैं, जे0सी0 शर्मा, आबकारी एवं कराधान आयुक्त, हिमाचल प्रदेश, एतद द्वारा हिमाचल प्रदेश लिकर लाईसेंस रूलज, 1986 (जिन्हें यहां उसके पश्चात “उक्त रूलज” कहा गया है) में प्रथम अप्रैल, 2012 से और संशोधन करता हूं :-

**संशोधन**

In the said rules.-

The table appended to Rule 18-AA shall be further substituted by the following namely, :-

Sr.No.	Kind of license	Category of area	Minimum Quota	Annual
1.	L-3,L-4,L-5 & L-4, L-5,	(a)	IMFS	Beer
		(b)	500 proof litre	Not prescribed
			250 proof litre	Not prescribed
2.	L			
2.	L-4A,L-5A (Beer only)	(a)	--	1250 bulk litre
		(b)	--	500 bulk litre
3.	L-3A, L-4A,L-5A (Beer only)	(a)	--	1250 bulk litre
		(b)	--	500 bulk litre
4.	L-3,L-4,L-5 & L-4, L-5, and L-3A, L-4A,L-5A (Beer only)	Four Star and above categories of hotels irrespective of the area of their location i.e. (a) or (b).	500 proof litre	--

आदेश द्वारा,  
हस्ता0/-

आबकारी एवं कराधान आयुक्त।

*[Authoritative english text of Excise & Taxation Department Notification No. 7-434/2011-EXN-19445-464 dated 16.6.2012 as required under article 348(3) of the Constitution of India].*

## EXCISE AND TAXATION DEPARTMENT

### NOTIFICATION

*Shimla-171009, the 16 June, 2012*

**No.7-434/2011-EXN-19445-464.--** In exercise of the powers conferred by section 59 of the Punjab Excise Act, 1914 (1 of 1914), as in force in the areas comprised in Himachal Pradesh immediately before 1st November, 1966 and as in force in the Territories transferred to Himachal Pradesh under section 5 of the Punjab Re-Organization Act, 1966 (31 of 1966) and by virtue of the powers of the Financial Commissioner (Excise), conferred on me under section 9 of the said Act, read with the Himachal Pradesh (Excise Power and Appeal) Orders, 1965, I, J.C.Sharma, Excise and Taxation Commissioner, Himachal Pradesh hereby make the following further amendments in the Himachal Pradesh Liquor License Rules, 1986 (hereinafter called the 'said rules') as amended from time to time, with immediate effect :-

### AMENDMENTS

In the said rules.-

The table appended to Rule 18-AA shall be further substituted by the following namely, :-

Sr.No.	Kind of license	Category of area	Minimum Quota	Annual
1.	L-3,L-4 & L-5	(a)	IMFS	Beer
		(b)	500 proof litre	Not prescribed
		(b)	250 proof litre	Not prescribed
2.	L-4 and L-5	(a)	1000 proof litre	-do-
		(b)	500 proof litre	-do-
2.	L-4A,L-5A (Beer only)	(a)	--	1250 bulk litre
		(b)	--	500 bulk litre
3.	L-3A, L-4A,L-5A (Beer only)	(a)	--	1250 bulk litre
		(b)	--	500 bulk litre
4.	L-3,L-4,L-5 & L-4, L-5, and L-3A, L-4A,L-5A (Beer only)	Four Star and above categories of hotels irrespective of the area of their location i.e. (a) or (b).	500 proof litre	--

By order,  
Sd/-

*Excise & Taxation Commissioner.*

## आबकारी एवं कराधान विभाग

## अधिसूचना

शिमला-171002, 20 जून, 2012

**संख्या: ई एक्स एन-एफ(10)-3/2010.**—हिमाचल प्रदेश की राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश मूल्य परिवर्धित कर अधिनियम, 2005 (2005 का अधिनियम संख्यांक 12) की धारा 63 के साथ पठित हिमाचल प्रदेश स्थानीय क्षेत्र में माल के प्रवेश पर कर अधिनियम, 2010 (2010 का अधिनियम संख्यांक 9) की धारा 15 के अधीन उनमें निहित शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त अधिनियम के प्रयोजनों को कार्यान्वित करने हेतु निम्नलिखित नियम बनाती हैं, अर्थात्:—

## अध्याय-1

## प्रारम्भिक

1. **संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ.**—(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम हिमाचल प्रदेश स्थानीय क्षेत्र में माल के प्रवेश पर कर नियम, 2012 है ।

(2) ये तुरन्त प्रवृत्त होंगे ।

2. **परिभाषाएं.**—(1) इन नियमों में जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो, —

(क) “अधिनियम” से हिमाचल प्रदेश स्थानीय क्षेत्र में माल के प्रवेश पर कर अधिनियम, 2010 अभिप्रेत है;

(ख) “निर्धारण प्राधिकारी” से राज्य सरकार द्वारा अधिनियम की धारा 12 के साथ पठित हिमाचल प्रदेश मूल्य परिवर्धित कर अधिनियम, 2005 की धारा 3 की उपधारा (2) के अधीन नियुक्त कोई व्यक्ति अभिप्रेत है, जो अधिनियम के अधीन उसकी अधिकारिता में आने वाले व्यौहारियों की बाबत निर्धारण प्राधिकारी होगा;

(ग) “प्ररूप” से इन नियमों से संलग्न प्ररूप अभिप्रेत है ;

(घ) “सरकार” से हिमाचल प्रदेश सरकार अभिप्रेत है ;

(ङ) “सरकारी खजाना” से हिमाचल प्रदेश में सरकारी खजाना अभिप्रेत है और इसके अन्तर्गत उप-खजाना भी है;

(च) “मास” से ग्रेगोरियन कलेंडर मास अभिप्रेत है ;

(छ) “धारा” से अधिनियम की धारा अभिप्रेत है ; और

(ज) “अनुसूची” से अधिनियम से संलग्न अनुसूची अभिप्रेत है ।

(2) उन शब्दों और पदों के जो इन नियमों में प्रयुक्त हैं परंतु परिभाषित नहीं हैं, क्रमशः वही अर्थ होंगे जो, यथास्थिति, अधिनियम या हिमाचल प्रदेश मूल्य परिवर्धित कर अधिनियम, 2005 या तदधीन बनाए गए नियमों में उनके हैं ।

**अध्याय-2****रजिस्ट्रीकरण**

**3. व्यौहारी का रजिस्ट्रीकरण.**— प्रत्येक व्यौहारी को जो धारा 3 के अधीन प्रवेश कर का संदाय करने के लिए दायी है अधिनियम के अधीन रजिस्ट्रीकृत किया गया समझा जाएगा यदि ऐसा व्यौहारी, हिमाचल प्रदेश मूल्य परिवर्धित कर अधिनियम, 2005 के अधीन रजिस्ट्रीकृत है । हिमाचल प्रदेश मूल्य परिवर्धित कर नियम, 2005 के नियम 3, 4 और 5 के अधीन रजिस्ट्रीकरण हेतु विनिर्दिष्ट प्रक्रिया इन नियमों को या आवश्यक परिवर्तन सहित, लागू होगी ।

**अध्याय-3****कर का संदाय और विवरणियां**

**4. कर और अन्य देयों का संदाय.**— (1) अधिनियम की धारा 3 और 4 के अधीन कर का संदाय,—

(क) कर संदत्त करने के लिए दायी प्रत्येक रजिस्ट्रीकृत व्यौहारी द्वारा सम्बंधित प्राधिकारी को मासिक विवरणी देते हुए किया जाएगा ;

(ख) प्रत्येक अरजिस्ट्रीकृत व्यौहारी/अव्यौहारी द्वारा सम्बन्ध प्राधिकारी को स्थानीय क्षेत्र/बहुदेशीय बैरियर या अवस्थान के वृत्त/जिला प्राधिकारी के प्रवेश स्थल पर स्थानीय क्षेत्र में तुरंत या माल के प्रवेश की तारीख से दस दिन के भीतर, यथास्थिति, बैंक गारंटी या समकक्ष के रूप में पर्याप्त प्रतिभूति देने पर, प्ररूप ई. टी-1 में घोषणा एवं कर संदाय सूचना की रसीद पर, मांग देय ड्राफ्ट/खजाना रसीद/नकद संदाय के माध्यम से किया जाएगा ।

(2) अधिनियम के अधीन देय किसी अन्य रकम की वसूली, इन नियमों के नियम 11, 12 और 13 के अनुसार की जाएगी ।

**5. कर के संदाय की पद्धति.**—(1) रजिस्ट्रीकृत व्यौहारी या अरजिस्ट्रीकृत व्यौहारी द्वारा प्रवेश कर, ब्याज, शास्ति की बाबत संदेय किसी रकम को या अधिनियम या इन नियमों के अधीन देय किसी अन्य दायित्व या रकम को समुचित सरकारी खजाने (ट्रेजरी) में संदत्त किया जाएगा । अव्यौहारी या अरजिस्ट्रीकृत व्यौहारी के सिवाए, किसी ऐसी रकम का संदाय नकद में सहायक आबकारी एवं कराधान आयुक्त या जिला या वृत्त के निर्धारण प्राधिकारी के कार्यालय या बहुदेशीय बैरियर के प्रभारी आबकारी एवं कराधान अधिकारी के कार्यालय में स्वीकार नहीं किया जाएगा ।

(2) अधिनियम के अधीन समस्त संदाय, विभाग के जिला/वृत्त कार्यालय से निशुल्क प्राप्त प्ररूप मू.प. क-2 में चालान द्वारा या ई-संदाय करने के लिए, चालान मू.प.क.-2 प्ररूप में आबकारी एवं कराधान विभाग, हिमाचल प्रदेश की बैवसाइट से डाउन लोड या मुद्रित कर के किया जा सकेगा ।

(3) चालान चार प्रतियों में भरा जाएगा । चालान की एक प्रति खजाना(ट्रेजरी) अपने पास रखेगा और दूसरी प्रति कोषाधिकारी (खजाना अधिकारी) द्वारा सहायक आबकारी एवं कराधान आयुक्त या जिला के आबकारी एवं कराधान अधिकारी या वृत्त के प्रभारी अधिकारी को भेजी जाएगी तथा तीसरी और चौथी प्रतियाँ, सम्यक रूप से हस्ताक्षरित, संदाय के सबूत के रूप में संदाय करने वाले व्यक्ति को वापस की जाएंगी । चालान की तीसरी प्रति, संदाय करने वाले व्यक्ति द्वारा विवरणी सहित सम्बद्ध प्राधिकारी को दी जाएगी:

परन्तु यदि संदाय ऑन लाईन किया जाता है, तो व्यौहारी, आबकारी एवं कराधान विभाग की बैवसाइट से प्ररूप-मू.प.क.-2 में चालान डाउन लोड करेगा ।

**6. विवरणियों के दायर करने की पद्धति.**—(1) प्रत्येक रजिस्ट्रीकृत व्यौहारी हिमाचल प्रदेश मूल्य परिवर्धित कर नियम, 2005 के अधीन प्ररूप पू.प.क.-15 में ऐसे मास के अवसान से तीस दिन के भीतर,

मासिक विवरणी प्रस्तुत करेगा। पूर्वोक्त नियमों के नियम 40, 41, 42, 43 और 44 के अधीन विनिर्दिष्ट प्रक्रिया इन नियमों को यथावश्यक परिवर्तन सहित लागू होगी।

(2) प्ररूप मू.प.क.-15 में विवरणी को देय कर के संदाय के सबूत के रूप में खजाना या बैंक रसीद के साथ समुचित निर्धारण प्राधिकारी को भेजी जाएगी और विवरण की प्राप्ति के लिए अभिस्वीकृति प्राप्ति की तारीख इंगित करते हुए, हस्ताक्षर और कार्यालय मोहर को चस्पान करने के पश्चात् जारी किया जाएगा।

(3) प्रत्येक रजिस्ट्रीकृत व्यौहारी, अधिनियम की अनुसूची-2 के अनुसार अपनी विवरणी के साथ माल के क्रयों की सूची संलग्न करेगा।

(4) प्रत्येक निर्धारण प्राधिकारी, अपनी अधिकारिता में, व्यौहारी द्वारा कर, शास्ति, व्याज और अन्य रकम के संदाय को दर्शाते हुए प्ररूप मू.प.क.-17 में मांग और संग्रहण रजिस्टर बनाएगा।

(5) (i) समुचित निर्धारण प्राधिकारी, किसी व्यौहारी की प्रत्येक विवरणी की संवीक्षा करेगा और यदि ऐसी संवीक्षा करने पर विवरणी में कोई भूल पाई जाती है तथा व्यक्ति को ऐसी विवरणी के अनुसार संदेय कर से कम कर संदत्त किया हुआ पाया जाता है, तो ऐसा प्राधिकारी, सम्बद्ध व्यौहारी को हिमाचल प्रदेश मूल्य परिवर्धित कर अधिनियम, 2005 की धारा 19 के अधीन संदेय व्याज सहित, कर की कम संदत्त रकम का संदाय करने और नोटिस में विनिर्दिष्ट समय के भीतर उसके समक्ष खजाना रसीदें प्रस्तुत करना, निदेशित करने वाला नोटिस जारी करेगा:

परन्तु यदि व्यौहारी, ऐसी विवरणी के अनुसार, संदेय रकम से अधिक कर या व्याज संदत्त किया हुआ पाया जाता है, तो उक्त प्राधिकारी, ऐसी संवीक्षा के पूर्ण होने के एक मास के भीतर व्यौहारी को उसके बारे में सूचना भेज कर सूचित करेगा।

(ii) यदि खण्ड (i) में निर्दिष्ट नोटिस की प्राप्ति पर व्यौहारी, ऐसे नोटिस में दिए गए निदेश की अनुपालना करता है और खजाना रसीद की प्रति के साथ ऐसी अनुपालना का सबूत प्रस्तुत करता है, तो निर्धारण प्राधिकारी उसका अभिलेख तैयार करेगा और संवीक्षा बन्द कर देगा। यदि व्यौहारी ऐसे निदेशों की अनुपालना नहीं करता है या ऐसे नोटिस में दिए गए निर्देशों के साथ इस प्रकार की असहमति के लिए कारणों को लिखित में पेश करते हुए असहमति दर्शाता है, तो निर्धारण प्राधिकारी, जब तक ऐसे कारणों को सही तथा न्यायोचित नहीं ठहराता है तब तक वह, ऐसे व्यौहारी की बाबत, मामले में संपरीक्षा कार्यवाहियां प्रारम्भ करने की अनुशंसा करते हुए, मामले को सहायक आबकारी एवं कराधान आयुक्त या जिला के प्रभारी अधिकारी को एक पखवाड़े के भीतर निर्दिष्ट करेगा।

#### अध्याय-4

##### लेखे

7. व्यौहारी द्वारा लेखे रखना.—(1) प्रत्येक रजिस्ट्रीकृत व्यौहारी और अधिनियम के अधीन स्वयं को रजिस्ट्रीकृत कराने को दायी प्रत्येक व्यक्ति, क्रय किए गए, विनिर्मित किए गए और प्रशंसकृत किए गए विक्रीत माल या उसके द्वारा स्टॉक में रखे गए माल का सही और शुद्ध लेखा रखेगा।

(2) हिमाचल प्रदेश मूल्य परिवर्धित कर नियम, 2005 के नियम 51, 52, 53, 54, 55 और 56 के अधीन विनिर्दिष्ट प्रक्रिया इन नियमों को यथावश्यक परिवर्तन सहित लागू होगी।

(3) प्रत्येक ऐसा व्यौहारी या व्यक्ति, रजिस्ट्रीकरण प्रमाण-पत्र में दर्ज लेखों की चालू बहियों को कारबार के स्थान पर रखेगा।

(4) प्रत्येक व्यौहारी या विनिर्माता इसके द्वारा संव्यहारित प्रत्येक माल और उस माल की प्रत्येक किस्म की बाबत दैनिक स्टॉक लेखा रखेगा। स्टॉक लेखा में क्रय की विशिष्टियां या स्टॉक प्राप्ति, विक्रय या स्टॉक अन्तरण और स्टॉक का अतिशेष अन्तर्विष्ट होगा।



## अध्याय-5

## अपेक्षित निर्धारण, निर्धारण, पुनः निर्धारण और गलतियों की परिशुद्धि

**8. अपेक्षित निर्धारण के लिए प्रक्रिया.**—(1) हिमाचल प्रदेश मूल्य परिवर्धित कर अधिनियम, 2005 की धारा 16 के साथ पठित नियम 6 के उप नियम (1) के अधीन व्यौहारी द्वारा दाखिल की गई विवरणियां सम्यक् रूप से अभिस्वीकृत की जाएंगी ।

(2) जहां वित्तीय वर्ष से सम्बन्धित विवरणियां दाखिल की जा चुकी हैं और विशिष्टियां सारवान रूप से सम्पूर्ण हैं, तो व्यौहारी को उस वर्ष के लिए निर्धारित किया गया समझा जाएगा;

परन्तु विवरणी, सही और सम्पूर्ण नहीं समझी जाएगी यदि, यह या तो विनिर्दिष्ट सूची, दस्तावेजों, प्रमाण-पत्रों या घोषणाओं से संलग्न नहीं है या इनमें से कोई गलत है या विशिष्टियों को हस्ताक्षरित नहीं किया गया है या अनुचित रूप से हस्ताक्षरित हैं और इस प्रकार विवरणी को गलत और अधुरा भी माना जाएगा ।

(3) संवीक्षा के लिए चयनित मामलों के सिवाए, समस्त अन्य मामलों को कर के लिए निर्धारित किया गया समझा जाएगा और ऐसे मामलों में विवरणी की अभिस्वीकृति, निर्धारण आदेश की प्रति समझी जाएगी ।

**9. संवीक्षा के लिए मामलों का चयन और नोटिस का जारी किया जाना.**— हिमाचल प्रदेश मूल्य परिवर्धित कर नियम, 2005 के नियम 66 और 67 के अधीन विनिर्दिष्ट प्रक्रिया, इन नियमों को यथावश्यक परिवर्तन सहित लागू होगी ।

**10. कर का पुनःनिर्धारण और भूलों की परिशुद्धि.**—हिमाचल प्रदेश मूल्य परिवर्धित कर नियम, 2005 के नियम 72 के अधीन विनिर्दिष्ट प्रक्रिया इन नियमों को यथावश्यक परिवर्तन सहित लागू होगी ।

## अध्याय-6

## कर, ब्याज और शास्ति की वसूली के लिए प्रक्रिया

**11. वसूली की सामान्य पद्धति.**— इस अधिनियम के अधीन जब किसी व्यौहारी या किसी व्यक्ति द्वारा किसी कर या संदेय रकम को विनिर्दिष्ट समय के भीतर संदत्त नहीं किया गया है, तो यथा प्रस्तुत प्रतिभूतियों से इस सम्बन्ध में वसूली की जाएगी ।

**12. कर ब्याज और शास्ति, भू-राजस्व के रूप में वसूलीय.**—कर की रकम और अधिरोपित शास्ति या संदेय ब्याज, जो देय तारीख के पश्चात् भी असंदत्त रहता है, भू-राजस्व बकाया के रूप में वसूलीय होगा ।

**13. वसूली की विशेष पद्धति.**— इन नियमों में अन्तर्विष्ट किसी बात के होते हुए भी, हिमाचल प्रदेश मूल्य परिवर्धित कर अधिनियम, 2005 की धारा 3 के अधीन नियुक्त आयुक्त या कोई अधिकारी, जो आबकारी एवं कराधान अधिकारी की पंक्ति के नीचे का न हो, को, किसी भी समय या समय-समय पर नोटिस जारी करके, यथास्थिति, ऐसे व्यौहारी या व्यक्ति की जंगम अथवा स्थावर सम्पत्ति की कुर्की और विक्रय द्वारा ऐसे कर, शास्ति और ब्याज की वसूली करने को सशक्त किया जाएगा ।

## अध्याय-7

## प्रतिदाय का अवधारण और स्वीकृति के लिए प्रक्रिया

**14. प्रतिदाय के लिए आवेदन.**—अधिनियम के अधीन अनुज्ञेय किसी रकम के प्रतिदाय के लिए आवेदन, ऐसे आधारों को अन्तर्विष्ट करते हुए, जिस पर प्रतिदाय का दावा किया गया है, समुचित निर्धारण प्राधिकारी

को किया जाएगा। हिमाचल प्रदेश मूल्य परिवर्धित कर नियम 2005 के नियम 74 के अधीन विनिर्दिष्ट प्रक्रिया, इन नियमों पर, यथावश्यक परिवर्तन सहित लागू होगी।

**15. प्रतिदाय की रकम का अवधारण, दावे की मन्जुरी और समायोजन.—** हिमाचल प्रदेश मूल्य परिवर्धित कर नियम, 2005 के नियम 75 और 76 के अधीन विनिर्दिष्ट प्रक्रिया, इन नियमों को, यथावश्यक परिवर्तन सहित लागू होगी।

## अध्याय—8

### अपील और पुनरीक्षण

**16. अपील या पुनरीक्षण के लिए आवेदन प्रस्तुत करना.—** हिमाचल प्रदेश मूल्य परिवर्धित कर नियम, 2005 के नियम 77, 78, 79, 80, 81 और 82 के अधीन विनिर्दिष्ट प्रक्रिया, इन नियमों को, यथावश्यक परिवर्तन सहित लागू होगी।

## अध्याय—9

### प्रकीर्ण

**17. प्रशासन का अधीक्षण और नियन्त्रण.—** हिमाचल प्रदेश मूल्य परिवर्धित कर नियम, 2005 के नियम 87 के अधीन विनिर्दिष्ट प्रक्रिया, इन नियमों को, यथावश्यक परिवर्तन सहित लागू होगी।

**18. भागीदारी में शामिल या भागीदारी का विघटन होने सम्बन्धी सूचना.—**(1) यदि कोई व्यौहारी अपने कारबार की बाबत भागीदारी में शामिल होता है, तो वह उसके ऐसी भागीदारी में शामिल होने के तीस दिन के भीतर सम्बद्ध निर्धारण प्राधिकारी को तथ्य की रिपोर्ट देगा। व्यौहारी और भागीदार, अधिनियम के अधीन देय कर, ब्याज और शास्ति का संदाय करने के लिए संयुक्ततः और पृथकतः उत्तरदायी होंगे।

(2) यदि भागीदारी विघटित हो जाती है तो प्रत्येक व्यक्ति जो भागीदार था, ऐसे विघटन के तीस दिन के भीतर सम्बद्ध निर्धारण प्राधिकारी को विघटन की सूचना भेजेगा।

**19. कारबार को बन्द करने या कारबार के स्थान में परिवर्तन करने से सम्बन्धित सूचना.—**यदि, किसी समय पर, कोई व्यौहारी:—

- (i) उसके द्वारा चलाए जा रहे कारबार को बन्द कर देता है या विक्रय कर देता है या अन्यथा कारबार का सम्पूर्णतः या भागतः व्ययन कर देता है; या
- (ii) अपने कारबार का स्थान या अपने कारबार के किन्हीं स्थानों का परिवर्तन कर देता है; या
- (iii) कारबार को किसी नये स्थान पर आरम्भ करता है; या
- (iv) उसके द्वारा चलाए जा रहे कारबार के नाम का परिवर्तन करता है; या यदि व्यौहारी की मृत्यु हो जाती है, तो उसका विधिक उत्तराधिकारी, इस तथ्य की सूचना तीस दिन के भीतर निर्धारण प्राधिकारी को देगा।

**20. सामान्य (नित्य के) कर्तव्यों का प्रत्यायोजन.—** हिमाचल प्रदेश मूल्य परिवर्धित कर नियम, 2005 की धारा 88 के अधीन विनिर्दिष्ट प्रक्रिया, इन नियमों को, यथावश्यक परिवर्तन सहित लागू होगी।

## "प्ररूप"

आबकारी एवं कराधान विभाग, हिमाचल प्रदेश  
प्ररूप ईटी-1  
(नियम 4(ख) देखें)

घोषणा एवं कर संदाय सूचना  
(केवल अव्यौहारियों के लिए)

1.	प्ररूप संख्या और तारीख.....	बैरियर का नाम.....
2.	प्रेषक	नाम और पूरा पता..... .....
3.	जहां से प्रेषित किया गया	स्थान.....
4.	प्रेषिती	नाम और पूरा पता.....

		टिन/टैन/पैन संख्या (यदि कोई हो).....
5.	माल को पहुँचाने का स्थान	
6.	यान संख्या.....	परिवहन कम्पनी का नाम, यदि कोई हो.....
7.	माल के व्यौरे (वहु बिलों की दशा में, व्यौरे पन्ने के दूसरी ओर दें)	

बिल संख्या/ जी. आर संख्या	तारीख	माल का कुल मूल्य (रुपए में)	संदेय प्रवेश कर	माल का संक्षिप्त विवरण
1	2	3	4	5

..... बैरियर पर तारीख..... को घोषित उपरोक्त विवरण के माल को, इस शर्त के अधीन कि पूर्वोक्त माल का प्रेषिती/स्वामी/अभिरक्षक ऐसी घोषणा की तारीख से दस दिन के भीतर..... रूपए (.....) के लिए संदेय प्रवेश कर की पूरी रकम एस बी आई/पीएनबी/एसवीओपी के माध्यम से विक्रय, व्यापार इत्यादि पर कर लेखा शीर्ष '0040' के अधीन उप शीर्ष '09' (प्रवेश कर), लघु शीर्ष '800' में जमा किए जाने हेतु सरकारी खजाना/उप खजाना में निक्षेप करेगा, स्थानीय क्षेत्र या मंजिल के क्षेत्र के भीतर प्रवेश करने के लिए अनुज्ञात किया जाता है। कर का निक्षेप प्रमाणित करने वाली टी आर की प्रतियां, संबंधित जिला के ए ई टी सी के कार्यालय और उस बैरियर के प्रभारी जहां से माल स्थानीय क्षेत्र/राज्य में प्रविष्ट हुआ है, को प्रस्तुत की जानी चाहिए।

यदि प्रवेश कर का संदाय निदेशों के अनुसार नहीं किया जाता है, तो यह उपधारणा की जाएगी कि इस प्रकार के माल को विधिमान्य घोषणा के बिना स्थानीय क्षेत्र/राज्य में प्रविष्ट किया गया है और हिमाचल प्रदेश मूल्य परिवर्धित कर अधिनियम, 2005 की धारा 34(7) के अधीन यथा अधिदिष्ट शास्ति, देय प्रवेश कर की रकम सहित, उद्गृहीत की जाएगी तथा कर की वसूली और शास्ति, सुनवाई का सम्यक् अवसर दिए जाने के पश्चात् जंगम/स्थावर सम्पत्ति के विक्रय के माध्यम से प्रवर्तित की जाएगी।

बैरियर के प्रभारी अधिकारी के हस्ताक्षर (मुहर और तारीख सहित) चैक-पोस्ट/बैरियर का नाम.....	माल का परिवहन करने वाले व्यक्ति के हस्ताक्षर (नाम और पता सहित) सम्पर्क नम्बर.....
---	--

सूचना तथा आवश्यक कार्रवाई हेतु प्रति:—

1. जिला का सहायक आबकारी एवं कराधान आयुक्त.....
2. वृत्त का प्रभारी आबकारी एवं कराधान अधिकारी/सहायक आबकारी एवं कराधान अधिकारी, जिला....

प्रभारी बहुदेशीय बैरियर.....  
जिला.....(हि0प्र0)।

-----

आदेश द्वारा,  
हस्ता०/—  
प्रधान सचिव (आबकारी एवं कराधान)।

-----

*[Authoritative English Text of this Department Notification No. EXN-F(10)-3/2010 dated 20th June, 2012 as required under Clause (3) of Article 348 of the constitution of India].*

## EXCISE AND TAXATION DEPARTMENT

### NOTIFICATION

*Shimla-171002, 20th June, 2012*

**No.EXN-F(10)-3/2010.**—In exercise of powers vested in her under section 15 of the Himachal Pradesh Tax on Entry of Goods into Local Area Act, 2010 (Act No. 9 of 2010), read with section 63 of the Himachal Pradesh Value Added Tax Act, 2005, the Governor of Himachal Pradesh is pleased to make the following rules for carrying out the purposes of the Act, Namely:-

### “CHAPTER –I

### PRELIMINARY

**1. Short title and commencement.**—(1) These rules may be called the Himachal Pradesh Tax on Entry of Goods into Local Areas Rules, 2012.

(2) They shall come into force with immediate effect.

**2. Definitions.—** (1) In these rules, unless the context otherwise requires,-

- (a) “Act” means the Himachal Pradesh Tax on Entry of Goods into Local Area Act, 2010;
- (b) “Assessing Authority” means any person appointed by the State Government under subsection (2) of section 3 of Himachal Pradesh Value Added Tax Act, 2005, read with section 12 of the Act, shall be the Assessing Authority under the Act in respect of the dealers falling in his/her jurisdiction;
- (c) “Form” means a form appended to these rules;
- (d) “Government” means the Government of Himachal Pradesh;
- (e) “Government Treasury” means a Government treasury in Himachal Pradesh and includes a sub-treasury;
- (f) “month” means a Gregorian calendar month;
- (g) “section” means a section of the Act; and
- (h) “schedule” means a schedule appended to the Act.

(2) Words or expressions used but not defined in these rules, shall have the same meanings, respectively, as assigned to them in the Himachal Pradesh Value Added Tax Act, 2005 or the rules framed thereunder as the case may be.

## CHAPTER –II

## REGISTRATION

**3. Registration of Dealer.—**Every dealer who is liable to pay entry tax under section 3, shall be deemed to have been registered under the Act, if such dealer is registered under the Himachal Pradesh Value Added Tax Act, 2005. The procedure specified for registration under rules 3, 4 and 5 of the Himachal Pradesh Value Added Tax Rules, 2005 shall apply *mutatis-mutandis* to these rules.

## CHAPTER –III

## PAYMENTS OF TAX AND RETURNS

**4. Payments of tax and other dues.—**(1) The payment of tax under section 3 and 4 of the Act shall be made,-

- (a) by every registered dealer liable to pay tax while furnishing monthly return to the authority concerned;
- (b) by every un-registered dealer/non-dealer to the authority concerned at the point of entry into local area/multi-purpose barrier or circle/district authority of location through demand draft / treasury receipt / cash payment immediately or within 10 days from the date of entry of goods into local area on furnishing sufficient security in the shape of Bank Guarantee or equivalent as the case may be on receipt of Declaration-cum-Tax Payment notice in form ET-I.

(2) Any other amount due under the Act shall be recovered in accordance with rules 11, 12 and 13 of these rules.

**5. Mode of payment of tax.**—(1) Any amount payable by a registered dealer or unregistered dealer in respect of entry tax, interest, penalty or any other liability or amount due under the Act or these rules shall be paid into appropriate Government Treasury. No payment of any such amount in cash except from non-dealer or unregistered dealer, shall be accepted at the office of Assistant Excise & Taxation Commissioner or Excise & Taxation Officer Incharge of the district or the office of Assessing Authority of the circle or multipurpose barrier.

(2) All payments under the Act shall be made by a challan in form **VAT-II**, obtainable free of charge from the district/circle office of the department or for making e-payment, the challan in form VAT-II can be downloaded or printed from the website of Excise & Taxation Department, Himachal Pradesh.

(3) Challan shall be filled up in quadruplicate. One copy of challan shall be retained by the treasury and second copy shall be sent by treasury officer to Assistant Excise & Taxation Commissioner or Excise & Taxation Officer of the districts or returned to the person making payment officer incharge of circle and **triplicate** and **quadruplicate** copies shall be duly signed as proof of payment. The triplicate copy of the challan shall be furnished by the person making the payment to the authority concerned alongwith return:

Provided that if the payments are made on line, the dealer shall download the challan in Form-VAT-II from the website of Excise and Taxation Department.

**6. Mode of filing of returns.**—(1) Every registered dealer shall furnish monthly return within 30 days from the expiry of such month in form VAT-XV under Himachal Pradesh Value Added Tax Rules, 2005. The procedure specified under rules, 40, 41, 42, 43 and 44 of the aforesaid rules, shall apply mutatis-mutandis to these rules.

(2) The return in form VAT- XV shall be sent to the appropriate Assessing Authority together with the treasury or bank receipt as proof of payment of the tax due and acknowledgement for receipt of return shall be issued after affixing signature and official stamp indicating date of receipt.

(3) Every registered dealer shall append to his return the list of purchases of goods as per Schedule-II of the Act.

(4) Every Assessing Authority shall maintain demand and collection register in form VATXVII showing the payment of tax, penalty, interest and other amount by the dealer in his jurisdiction.

(5) (i) The appropriate Assessing Authority shall scrutinize every return of a dealer and if any mistake is detected in the return upon such scrutiny and the person is found to have paid less tax then that payable as per such return, such authority shall serve a notice upon the dealer concerned directing him to pay the amount of tax less paid along with interest payable under section 19 of the Himachal Pradesh Value Added Tax Act, 2005 and to produce the treasury receipts before him within the time specified in the said notice:

Provided, that if the dealer is found to have paid tax or interest in excess of the amount payable according to such return, the said authority shall inform the same to the dealer by sending an intimation within one month of completion of such scrutiny.

(ii) if upon receipt of notice referred to in clause (i), the dealer complies with the direction made in such notice and furnishes proof of such compliance including a copy of treasury receipt, the Assessing Authority shall make a record of the same and close the scrutiny. If the dealer does not comply with such directions or expresses his disagreement in writing, adducing reasons for such disagreement with the directions made in such notice, the Assessing Authority, unless, he accepts such reasons as correct and justified, shall, refer the matter to Assistant Excise & Taxation Commissioner or officer incharge of the district within a fortnight, recommending for initiation of audit proceedings in the case, in respect of such dealer.

## CHAPTER -IV

### ACCOUNTS

**7. Maintenance of accounts by a dealer.**—(1) Every registered dealer and every person liable to get himself registered under the Act shall keep and maintain a true and correct account of goods purchased, manufactured, processed and sold by him or goods held by him in stock.

(2) The procedure specified under rules 51, 52, 53, 54, 55 and 56 of Himachal Pradesh Value Added Tax Rules, 2005, shall apply mutatis-mutandis to these rules.

(3) Every such dealer or person shall keep the current books of accounts at the place of business entered in the registration certificate.

(4) Every dealer or manufacturer shall maintain day to day stock account in respect of each of the goods and each variety of the same goods dealt with by him. The stock account shall contain particulars of the purchases or stock receipts, sale or stock transfers and balance of stock.

## CHAPTER - V

### DEEMED ASSESSMENT, ASSESSMENT, RE-ASSESSMENT AND RECTIFICATION OF MISTAKES

**8. Procedure for deemed assessment -** (1) The returns furnished by a dealer under sub-rule (1) of rule 6 read with section 16 of The Himachal Pradesh Value Added Tax Act, 2005 shall be duly acknowledged.

(2) Where the returns relating to a financial year have been filed and are complete in material particulars, the dealer shall be deemed to have been assessed for that year:

Provided, that no return shall be deemed to be correct and complete if, it is either not accompanied by the specified list, documents, certificates or declarations, or any of these are incorrect or the particulars are not signed or improperly signed and as such the return shall also be treated to be incorrect and incomplete.

(3) Except for the cases selected for scrutiny, all other cases shall be deemed to have been assessed to tax and in such cases acknowledgement of return shall be deemed to be the copy of assessment order.

**9. Selection of cases for scrutiny and issue of notice.**—The procedure specified under rule 66 and 67 of the Himachal Pradesh Value Added Tax Rules, 2005, shall apply mutatis-mutandis to these rules.

**10. Re-assessment of tax and rectification of mistakes.**—The procedure specified under rule 72 of the Himachal Pradesh Value Added Tax Rules, 2005, shall apply mutatis-mutandis to these rules.

## CHAPTER - VI

## PROCEDURE FOR RECOVERY OF TAX, INTEREST AND PENALTY

**11. General mode of recovery.**—Where any tax or sum payable by a dealer or a person under this Act, is not paid within specified time, the recovery shall be made from the securities so furnished in this regard.

**12. Tax, Interest and Penalty recoverable as arrear of land revenue.**—The amount of any tax and penalty imposed or interest payable which remains unpaid after due date, shall be recovered as arrears of land revenue.

**13. Special mode of recovery.**—Notwithstanding anything contained in these rules, the Commissioner or any officer not below Excise & Taxation Officer, appointed under section 3 of the Himachal Pradesh Value Added Tax Act, 2005, may at any time or from time to time by issue of notice shall be empowered to recover such tax, penalty and interest by attachment and sale of the movable or immovable property of such dealer or person as the case may be.

## CHAPTER - VII

## PROCEDURE FOR DETERMINATION AND SANCTION OF REFUND

**14. Application for refund.**—The application for refund of any amount admissible under the Act, shall be made to appropriate Assessing Authority containing the grounds on which the refund is claimed. The procedure specified under rule 74 of Himachal Pradesh Value Added Tax Rules, 2005, shall apply mutatis-mutandis to these rules.

**15. Determination of amount of refund, sanction and adjustment of claim.**—The procedure specified under rule 75 and 76 of the Himachal Pradesh Value Added Tax Rules, 2005, shall apply mutatis-mutandis to these rules.

## CHAPTER - VIII

## APPEAL AND REVISIONS

**16. Submission of application for appeal or revision.**—The procedure specified under rule 77, 78, 79, 80, 81 and 82 of the Himachal Pradesh Value Added Tax Rules, 2005, shall apply mutatis-mutandis to these rules.

## CHAPTER - IX

## MISCELLANEOUS

**17. Superintendence and control of administration** – The procedure specified under rule 87 of the Himachal Pradesh Value Added Tax Rules, 2005, shall apply mutatis-mutandis to these rules.

**18. Information regarding entering into partnership or dissolution of partnership.**—  
(1) If a dealer entered into partnership with regard to his business, he shall report the fact to the Assessing Authority concerned within 30 days of his entering into such partnership. The dealer and the partner shall be jointly and severally responsible for the payment of tax, interest and penalty payable under the Act.

(2) If the partnership is dissolved, every person who was a partner shall send intimation of the dissolution to the Assessing Authority concerned within 30 days of such dissolution.



**19. Information regarding discontinuance of business or change of place of business.**—If, at any time, a dealer:-

- (i) discontinues or sells or otherwise disposes of the whole or part of any business carried by him; or
- (ii) changes his place of business or any of his places of business; or
- (iii) opens a new place of business; or
- (iv) changes the name of business carried by him, or in case the dealer is dead, his legal representative; shall intimate the fact to the Assessing Authority concerned within 30 days.

**20. Delegation of Routine Duties.**—The procedure specified under rule 88 of the Himachal Pradesh Value Added Tax Rules, 2005, shall apply mutatis-mutandis to these rules.

“FORM”

EXCISE & TAXATION DEPARTMENT, HIMACHAL PRADESH.

FORM ET-I

[see rule 4(b)]

Declaration-cum-tax Payment Notice  
(For non-dealers only)

1.	Form No and Date .....	Name of Barrier .....
2.	CONSIGNOR:	Name & Full address..... ..... TIN /TAN/PAN NO. (if any) .....
3.	Consigned from:	Place.....
4.	CONSIGNEE:	Name & Full address..... ..... TIN /TAN/PAN NO. (if any).....
5.	Destination of Goods.....	
6.	Vehicle No. ....	Name of Transport Co. if any....
7.	Details of Goods (Give details overleaf in case of Multiple Bills)	

Bill No/GR No.	Date	Aggregate Value of Goods (In Rs)	Entry Tax Payable	Brief Description of Goods
1	2	3	4	5

Whereas, the goods of above description declared at the barrier ..... on dated .....are allowed to enter inside the local area or area of destination subject to the condition that the consignee/owner / custodian of the aforesaid goods will deposit full amount of Entry Tax payable for Rs..... (Rupees.....) in Government Treasury/Sub-treasury through SBI / PNB / SBOP to be credited in sub-head '09' (Entry Tax), minor head '800' under head of account '0040' tax on sales, trade etc. within 10 days from the date of such declarations. The copies of TR certifying deposit of tax should be submitted to the office of AETC of the district concerned and to incharge of the barrier from where the goods have entered into the local area / state.

In case the payment of Entry Tax is not made as per directions, it will be presumed that the goods as such have been entered into the local area/state without valid declaration and penalty as warranted under section 34(7) of Himachal Pradesh Value Added Tax Act, 2005 shall be levied in addition to the amount of entry tax due and the recovery of tax and penalty will be enforced through sale of movable / immovable property after affording due opportunity to be heard.

<p>Signature of Officer-in-charge of the Barrier (with stamp and date)</p> <p>Name of the check-post/barrier</p>	<p>Signature of the person transporting the goods (with name and address).</p> <p>Contact No. ....</p>
--	--

**Copy for information and necessary action to:-**

1. AETC of .....district .....
2. ETO/AETO I/c of circle ..... District.....

**I/C MP Barrier .....  
District.....(HP).**

-----

By order,  
Sd/-  
Pr. Secretary (Excise & Taxation).

**HIGHER EDUCATION DEPARTMENT****NOTIFICATION***Shimla-2, the 13th June, 2012*

**No. EDN-A-Ka(1)-2/2012.**—The Governor, Himachal Pradesh is pleased to order to constitute the Committee comprising of the following members for the evaluation & working out the modalities of taking over Science & Commerce Classes of DAV College Daulatpur Chowk, Distt. Una:-

- |   |                         |
|---|-------------------------|
| 1. Addl. Director (Colleges)                        | <i>Chairman</i>         |
| 2. OSD (Colleges)                                   | <i>Member Secretary</i> |
| 3. Joint Controller (F&A)                           | <i>Member</i>           |
| 4. Principal, GC Daulatpur Chowk,<br>(Arts faculty) | <i>Member</i>           |

The Committee will work out recurring and Non-recurring financial implications, the assets and liabilities of the college (relating to Science & Commerce classes), status of staff and obtained undertakings from the college Trust/ Management to hand over the college.

The Committee will submit its report within a week.

By order,  
Sd/-  
*Secretary (Education).*

ब अदालत श्री जय पाल खैरा, नायब तहसीलदार एवं कार्यकारी दण्डाधिकारी, इन्दौरा, जिला कांगड़ा,  
हिमाचल प्रदेश

मिसल नं० /2012

तारीख पेशी 27-2-2012

श्री सुखविन्दर सिंह पुत्र श्री रतन चन्द, निवासी गांव बरोटा, डा० ठाकुरद्वारा, तहसील इन्दौरा, जिला कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश।

बनाम

आम जनता

विषय.—प्रार्थना—पत्र जेर धारा 13(3) जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण अधिनियम, 1969 के अन्तर्गत जन्म तिथि पंजीकरण करने बारे।

उपरोक्त विषय से सम्बन्धित प्रार्थना—पत्र में श्री सुखविन्दर सिंह पुत्र श्री रतन चन्द, निवासी गांव बरोटा, डा० ठाकुरद्वारा, तहसील इन्दौरा, जिला कांगड़ा ने निवेदन किया है कि उसकी पत्नी श्रीमती जसविन्दर कौर ने एक लड़के को दिनांक 16-10-2004 को गांव बरोटा में जन्म दिया है। परन्तु अज्ञानता के कारण वह अपने लड़के की उक्त जन्म तिथि ग्राम पंचायत पराल में दर्ज न करवा सका है।

अतः इस इशतहार द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि उक्त जन्म तिथि ग्राम पंचायत पराल में पंजीकरण करने बारे यदि किसी को कोई एतराज हो तो वह असालतन या वकालतन अदालत हजा में दिनांक 9-7-2012 को प्रातः 10.00 बजे उपस्थित होकर अपना एतराज पेश कर सकते हैं। गैर हाजिर होने की सूरत में मिसल पर नियमानुसार कार्यवाही करके उक्त जन्म तिथि पंजीकरण करने के आदेश पारित कर दिए जाएंगे।

आज दिनांक 28-5-2012 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर अदालत सहित जारी हुआ।

मोहर।

जय पाल खैरा,  
नायब तहसीलदार एवं कार्यकारी दण्डाधिकारी,  
इन्दौरा, जिला कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश।

-----

ब अदालत सहायक समाहर्ता प्रथम श्रेणी, शाहपुर, जिला कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश

श्री जगदीश चन्द पुत्र श्री सफरी राम, निवासी व डा0 सल्ली, तहसील शाहपुर, जिला कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश

बनाम

आम जनता

विषय.—दरखास्त बराए दुरुस्ती नाम।

प्रार्थी श्री जगदीश चन्द पुत्र श्री सफरी राम, निवासी व डा0 सल्ली, तहसील शाहपुर ने इस न्यायालय में मय ब्यान हल्फी पेश करते हुए उल्लेख किया है कि उसका वास्तविक नाम जगदीश चन्द उपनाम ढान्ठू है। परन्तु कागजात माल में उसका नाम गलत चला आ रहा है। प्रार्थी ने अपने प्रार्थना-पत्र के समर्थन में नकल जमाबन्दी नकल परिवार रजिस्टर स्कूल प्रमाण-पत्र भारत निर्वाचन आयोग पहचान-पत्र ब्यान हल्फी संलग्न कर रखा है।

अतः आम जनता को इस इशतहार द्वारा सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति आम व खास को उक्त नाम दुरुस्ती करने बारे कोई उजर व एतराज हो तो वह दिनांक 23-7-2012 को प्रातः 10.00 बजे असालतन या वकालतन हाजिर होकर अपना एतराज पेश कर सकता है।

आज दिनांक ..... को मेरे हस्ताक्षर व मोहर अदालत सहित जारी हुआ।

मोहर।

हस्ताक्षरित/—  
सहायक समाहर्ता प्रथम श्रेणी,  
शाहपुर, जिला कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश।

ब अदालत सहायक समाहर्ता प्रथम श्रेणी, शाहपुर, जिला कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश

श्री सोमदत्त पुत्र श्री अनिरुद्ध शर्मा, निवासी द्रीणी, तहसील शाहपुर, जिला कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश

बनाम

आम जनता

विषय.—कागजात माल में दुरुस्ती करवाने बारे।

श्री सोमदत्त पुत्र श्री अनिरुद्ध शर्मा, निवासी द्रीणी, तहसील शाहपुर, जिला कांगड़ा ने इस कार्यालय में मय ब्यान हल्फी गुजारा है कि उसका सही नाम सोमदत्त है। परन्तु राजस्व अभिलेख में अशोक कुमार दर्ज है। जोकि गलत है। जिसकी दुरुस्ती की जावे।

इस सम्बन्ध में सर्वसाधारण जनता को बजरिया इश्तहार सूचित किया जाता है कि प्रार्थी के नाम की दुरुस्ती बारे यदि कोई उजर व एतराज हो तो वह असालतन या वकालतन अदालत में हाजिर होकर दिनांक 23-7-2012 को प्रातः 10.00 बजे अपना उजर व एतराज पेश कर सकता है। हाजिर न आने की सूरत में एक तरफा कार्यवाही अमल में लाई जाकर नाम की दुरुस्ती के आदेश कर दिए जाएंगे।

आज दिनांक ..... को मेरे हस्ताक्षर व मोहर अदालत सहित जारी हुआ।

मोहर।

हस्ताक्षरित /—  
सहायक समाहर्ता प्रथम श्रेणी,  
शाहपुर, जिला कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश।

ब अदालत सहायक समाहर्ता प्रथम श्रेणी, शाहपुर, जिला कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश

श्री अमी सिंह पुत्र श्री वरडू राम, निवासी महाल गोरडा, मौजा भनाला, तहसील शाहपुर, जिला कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश।

बनाम

आम जनता

विषय.—प्रार्थना—पत्र बाबत नाम की दुरुस्ती करवाने बारे।

श्री अमी सिंह पुत्र श्री वरडू राम, निवासी महाल गोरडा, मौजा भनाला, तहसील शाहपुर, जिला कांगड़ा ने इस अदालत हजा में एक प्रार्थना—पत्र दिया है कि उसका सही नाम अमी सिंह हाजिर है। परन्तु राजस्व अभिलेख में अमी चन्द दर्ज है। जोकि गलत है। जिसकी दुरुस्ती की जावे।

अतः इस इश्तहार द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि यदि किसी को नाम दुरुस्ती करने बारे कोई उजर व एतराज हो तो वह असालतन या वकालतन तारीख पेशी दिनांक 23-7-2012 को प्रातः 10.00 बजे हाजिर होकर पेश कर सकता है। बसूरत गैर—हाजिरी एक तरफा कार्यवाही अमल में लाई जाकर नाम की दुरुस्ती के आदेश पारित कर दिया जाएगा।

आज दिनांक 22-1-2012 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर अदालत सहित जारी हुआ।

मोहर।

हस्ताक्षरित /—  
सहायक समाहर्ता प्रथम श्रेणी,  
शाहपुर, जिला कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश।

ब अदालत नायब तहसीलदार एवं कार्यकारी दण्डाधिकारी, शाहपुर, जिला कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश

श्री हंस राज पुत्र श्री प्रताप चन्द, निवासी झरेड, डाकघर योल झरेड, तहसील शाहपुर, जिला कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश।

बनाम

आम जनता

विषय.— प्रार्थना पत्र जेर धारा 13(3) जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण अधिनियम, 1969.

श्री हंस राज पुत्र श्री प्रताप चन्द, निवासी झरेड, डाकघर योल झरेड, तहसील शाहपुर ने इस अदालत में मय ब्यान हल्फी पेश किया है कि उसके पिता गीतो राम की मृत्यु दिनांक 8-2-1981 को हुई है लेकिन ग्राम पंचायत के रिकॉर्ड रजिस्टर में दर्ज न है।

अतः इस इशतहार के माध्यम से आम जनता को सूचित किया जाता है कि उक्त मृत्यु तिथि दर्ज करने बारे यदि किसी को कोई उजर व एतराज हो तो वह दिनांक 30-6-2012 को असालतन या वकालतन हाजिर अदालत आकर अपना एतराज पेश कर सकता है अन्यथा एकतरफा कार्यवाही अमल में लाई जाकर मृत्यु तिथि पंचायत रिकॉर्ड में दर्ज करने के आदेश पारित कर दिए जाएंगे।

आज दिनांक ..... को मेरे हस्ताक्षर व मोहर अदालत सहित जारी हुआ।

मोहर।

हस्ताक्षरित /—  
तहसीलदार एवं कार्यकारी दण्डाधिकारी,  
शाहपुर, जिला कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश।

**In the Court of Sub-Divisional Magistrate Kalpa at Reckong Peo, District Kinnaur (H. P.)**

Shrimati Kaushalya Devi w/o Shri Bhupinder Singh, resident of Village Telengi, Tehsil Kalpa, District Kinnaur (H. P.) . . Applicant.

*Versus*

General public

*Application u/s 13(3) of Births and Deaths Registration Act, 1969.*

Shrimati Kaushalya Devi w/o Shri Bhupinder Singh, resident of Village Telengi, Tehsil Kalpa, District Kinnaur (H. P.) has presented an application u/s 13 (3) of Births and Deaths Registration Act, 1969 supported by an affidavit stating therein that her daughter Anushka was born on 7-5-2011, but due to inadvertence, she could not get the birth of her daughter registered in the records of Gram Panchayat Telengi. She has further requested to issue an order for registration of the same in the records of Gram Panchayat Telengi, Tehsil Kalpa, District Kinnaur.

Therefore, notice is hereby issued to the general public through this publication that if any body has any objection for the registration of birth of said Anushka in the records of Gram Panchayat Telengi, he/she may prefer her written or verbal objection before the undersigned within

a period of one month *i.e.* before 7-7-2012 failing which it will be presumed that nobody has any objection for registration of birth Anushka and order under the Act *ibid* will be issued to the Local Registrar of Gram Panchayat Telengi.

Issued under my hand and seal of the Court today on 6th day of June, 2012.

Seal.

Sd/-  
Sub-Divisional Magistrate Kalpa at  
Reckong Peo, District Kinnaur (H.P.).

**Before the Sub-Divisional Magistrate, Kalpa Sub-Division at Reckong-Peo, District Kinnaur  
(H. P.)**

In the matter of :

Shri Babu Ram s/o Shri Bhagat Ram, resident of Village & P.O. Chansu, Tehsil Sangla, District Kinnaur (H. P.) . . Applicant.

*Application for registration of marriage under the H. P. Registration of Marriage Act, 1996.*

Notice to general public.

The above named applicant has preferred an application supported by an affidavit stating therein that he got married to Smt. Meena Kumari d/o Shri Roop Singh, r/o Village Khanatu, Tehsil Rampur Bushehar, District Shimla (H. P.) on 17-10-2004 as per prevalent customs, but name of his wife has not been entered in the records of Gram Panchayat Chansu so far and has further requested to issue an order to the Gram Panchayat Chansu for entry of the same.

Therefore, general public is hereby issued a notice through this publication that if anybody has any objection for the entry of name of Smt. Meena Kumari as wife of Babu Ram s/o Shri Bhagat Ram, r/o Village Chansu, Tehsil Sangla, District Kinnaur in the records of the Gram Panchayat Chansu, she may present written/oral objection before the undersigned on or before 7-7-2012 failing which it will be presumed that nobody has any objection and necessary orders will be issued to the concerned Gram Panchayat for entry of the marriage.

Issued under my hand and seal of the Court today on 26th day of June, 2010.

Seal.

Sd/-  
Sub-Divisional Magistrate,  
Kalpa Sub-Division at Reckong-Peo,  
District Kinnaur (H. P.).

**Before the Sub-Divisional Magistrate, Kalpa Sub-Division at Reckong-Peo, District Kinnaur  
(H. P.)**

In the matter of :

Shri Hir Bhagat Negi s/o Shri Deva Pur, r/o Village Baturi, Tehsil Sangla, District Kinnaur  
(H. P.) . . Applicant.

*Application for registration of marriage under the H. P. Registration of Marriage Act, 1996.*

Notice to general public.

The above named applicant has preferred an application supported by an affidavit stating therein that he got married to Smt. Shalini Negi d/o Shri Gurdial Singh Negi, r/o Village Ribba, Tehsil Moorang, District Kinnaur (H. P.) on 28-7-1996 as per prevalent customs, but name of his wife has not been entered in the records of Gram Panchayat Sapni so far and has further requested to issue an order to the Gram Panchayat Sapni for entry of the same.

Therefore, general public is hereby issued a notice through this publication that if anybody has any objection for the entry of name of Smt. Shalini Negi as wife of Shri Hir Bhagat Negi s/o Shri Deva Pur, r/o Village Baturi, Tehsil Sangla, District Kinnaur in the records of the Gram Panchayat Sapni, he may present written/oral objection before the undersigned on or before 10-7-2012 failing which it will be presumed that nobody has any objection and necessary orders will be issued to the concerned Gram Panchayat for entry of the marriage.

Issued under my hand and seal of the Court today on 11th day of June, 2010.

Seal.

Sd/-  
Sub-Divisional Magistrate,  
Kalpa Sub-Division at Reckong-Peo,  
District Kinnaur (H. P.).

---

**In the Court of Sub-Divisional Magistrate Kalpa at Reckong Peo, District Kinnaur (H. P.)**

Shrimati Bimla Kumari w/o Shri Ramesh Kumar, resident of Village Kothi, Tehsil Kalpa,  
District Kinnaur (H. P.) . . Applicant.

*Versus*

General public

*Application u/s 13(3) of Births and Deaths Registration Act, 1969.*

Notice for publication in the Rajpatra of Himachal Pradesh.

Shrimati Bimla Kumari w/o Shri Ramesh Kumar, resident of Village Kothi, Tehsil Kalpa, District Kinnaur (H. P.) has presented an application u/s 13 (3) of Births and Deaths Registration Act, 1969 supported by an affidavit stating therein that her son Ankit was born on 21-8-2004, but due to inadvertence, she could not get the birth of her son registered in the records of Gram



Panchayat Kothi. She has further requested to issue an order for registration of the same in the records of Gram Panchayat Kothi, Tehsil Kalpa, District Kinnaur.

Therefore, notice is hereby issued to the general public through this publication that if any body has any objection for the registration of birth of said Ankit in the records of Gram Panchayat Kothi, she may prefer he/her written or verbal objection before the undersigned within a period of one month *i.e.* before 10-7-2012 failing which it will be presumed that nobody has any objection for registration of birth Ankit and order under the Act *ibid* will be issued to the Local Registrar of Gram Panchayat Kothi.

Issued under my hand and seal of the Court today on 6th day of June, 2012.

Seal.

Sd/-

*Sub-Divisional Magistrate Kalpa at  
Reckong Peo, District Kinnaur (H.P.).*

अज अदालत सहायक समाहर्ता द्वितीय श्रेणी, जोगिन्द्रनगर, जिला मण्डी, हिमाचल प्रदेश

मिसल नं० : 15

तारीख मरजुआ : 1-6-2012

तारीख पेशी : 30-6-2012

श्री कृष्ण चन्द पुत्र श्री बरफू राम, निवासी लखवान, तहसील जोगिन्द्रनगर, जिला मण्डी, हिमाचल प्रदेश . . प्रार्थी।

बनाम

आम जनता

. . प्रीकदोयम।

राजस्व अभिलेख में नाम की दुरुती बारा।

श्री कृष्ण चन्द पुत्र श्री बरफू राम, निवासी लखवान, तहसील जोगिन्द्रनगर, जिला मण्डी, हिमाचल प्रदेश ने इस न्यायालय में आवेदन-पत्र गुजार कर अनुरोध किया है कि उसकी माता का सही नाम बिमला देवी पत्नी श्री बरफू है जोकि नकल परिवार रजिस्ट्रार जिल्हण में दर्ज है परन्तु मुहाल शानन के राजस्व अभिलेख में मेरी माता का नाम श्रीमती धोबी दर्ज है जोकि गलत दर्ज हुआ है जिसकी दुरुस्ती के आदेश दिए जावें।

अतः सर्वसाधारण को इश्तहार/उद्घोषणा-पत्र के माध्यम से सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को प्रार्थी की माता के नाम की दुरुस्ती राजस्व अभिलेख मुहाल शानन में करने बारा कोई उजर/एतराज हो तो वह दिनांक 30-6-2012 को प्रातः 10.00 बजे असागतन या वकालतन में हाजिर होकर अपने उजर एतराज पेश कर सकता है, अन्यथा गैर हाजरी की सूरत में एकतरफा कार्यवाही अमल में लाई जाएगी।

आज दिनांक 13-6-2012 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर अदालत से जारी हुआ।

मोहर।

हस्ताक्षरित/—

सहायक समाहर्ता द्वितीय श्रेणी,  
जोगिन्द्रनगर, जिला मण्डी, हिमाचल प्रदेश।

**In the Court of Marriage Officer-cum-Sub-Divisional Magistrate, Sadar Mandi, District Mandi, Himachal Pradesh**

In the matter of :

1. Shri Vijayant Thakur s/o Lt. Col. (Retd.) Ranbir Singh Thakur, r/o V. & P.O. Talyarh, Tehsil Sadar, District Mandi (H. P.).
2. Smt. Shikha Parmar d/o Late Shri Udai Pal Parmar, r/o V. & P.O. Dadahu, Tehsil Renuka, District Sirmour (H. P.) . . Applicants.

*Versus*

General public

*Subject.*—Notice of intended marriage under section 5 of Special Marriage Act, 1954.

Shri Vijayant Thakur s/o Lt. Col. (Retd.) Ranbir Singh, r/o V. & P.O. Talyarh, Tehsil Sadar, District Mandi (H. P.) and Smt. Shikha Parmar d/o Late Shri Udai Pal Parmar, r/o V. & P.O. Dadahu, Tehsil Renuka, District Sirmour (H. P.) have presented a notice alongwith affidavits in the court of undersigned under section 5 of Special Marriage Act, 1954 that they intend to marry within three calendar months and hence their marriage may be registered under Special Marriage Act, 1954.

Therefore, the general public is hereby informed through this notice that any person who has any objection regarding this marriage can file the objection personally or in writing before this court on or before 9-7-2012 after that no objection will be entertained and marriage will be registered.

Issued today on 8th day of June, 2012 under my hand and seal of the court.

Seal.

Sd/-

*Marriage Officer-cum-Sub-Divisional Magistrate,  
Sadar Mandi, District Mandi (H. P.).*

ब अदालत सहायक समाहर्ता द्वितीय श्रेणी एवं नायब तहसीलदार, सन्धोल, जिला मण्डी, हिमाचल प्रदेश

उनवान मुकद्दमा : नाम दरुस्ती।

तारीख पेशी : 5-7-2012

श्री वसन्त सिंह ठाकुर पुत्र श्री चुहड़ू राम, निवासी निचली वैरी, डाकघर कोठुवा, तहसील सन्धोल, जिला मण्डी (हि० प्र०) . . प्रार्थी।

बनाम

आम जनता

. . फरीकदोयम।

श्री वसन्त सिंह ठाकुर ने इस अदालत में शपथ-पत्र सहित मुकद्दमा दायर किया है कि मुहाल निचली वैरी, तहसील सन्धोल के राजस्व अभिलेख में मेरा नाम वसन्त सिंह लिखा गया है जो गलत है मेरा वास्तविक नाम वसन्त सिंह ठाकुर है। इसकी दरुस्ती के आदेश चाहे हैं।

अतः इस इशतहार द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को उक्त नाम दुरुस्ती करने बारा कोई उजर व एतराज हो तो वह असालतन या वकालतन तारीख पेशी दिनांक 5-7-2012 को सुबह 10.00 बजे हाजिर अदालत होकर अपना उजर पेश कर सकता है। बसूरत गैर-हाजिरी एकतरफा कार्यवाही अमल में लाई जाकर नाम दुरुस्ती करने का आदेश पारित कर दिया जाएगा।

यह इशतहार आज दिनांक 7-6-2012 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर सहित अदालत से जारी हुआ।

मोहर।

हस्ताक्षरित/—  
सहायक समाहर्ता द्वितीय श्रेणी एवं नायब तहसीलदार,  
सन्धोल, जिला मण्डी, हिमाचल प्रदेश।

-----

ब अदालत सहायक समाहर्ता द्वितीय श्रेणी एवं नायब तहसीलदार, सन्धोल, जिला मण्डी, हिमाचल प्रदेश

उनवान मुकद्दमा : नाम दुरुस्ती।

तारीख पेशी : 5-7-2012

श्री जगपाल सिंह पुत्र श्री जय चन्द, निवासी कुन, डाकघर टौरखोला, तहसील सन्धोल, जिला मण्डी  
(हि0 प्र0) . . प्रार्थी।

बनाम

आम जनता

. . फरीकदोयम।

श्री जगपाल सिंह ने इस अदालत में शपथ-पत्र सहित मुकद्दमा दायर किया है कि मुहाल कुन, तहसील सन्धोल के राजस्व अभिलेख में मेरे पिता का नाम चन्द लिखा गया है जो गलत है मेरे पिता का वास्तविक नाम वसन्त सिंह ठाकुर है। इसकी दुरुस्ती के आदेश चाहे हैं।

अतः इस इशतहार द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को उक्त नाम दुरुस्ती करने बारा कोई उजर व एतराज हो तो वह असालतन या वकालतन तारीख पेशी दिनांक 5-7-2012 को सुबह 10.00 बजे हाजिर अदालत होकर अपना उजर पेश कर सकता है। बसूरत गैर-हाजिरी एकतरफा कार्यवाही अमल में लाई जाकर नाम दुरुस्ती करने का आदेश पारित कर दिया जाएगा।

यह इशतहार आज दिनांक 7-6-2012 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर सहित अदालत से जारी हुआ।

मोहर।

हस्ताक्षरित/—  
सहायक समाहर्ता द्वितीय श्रेणी एवं नायब तहसीलदार,  
सन्धोल, जिला मण्डी, हिमाचल प्रदेश।

ब अदालत सहायक समाहर्ता द्वितीय श्रेणी एवं नायब तहसीलदार, सन्धोल, जिला मण्डी, हिमाचल प्रदेश

उनवान मुकद्दमा : नाम दुरुस्ती।

तारीख पेशी : 5-7-2012

श्री रवी कुमार पुत्र श्री नरैणू राम, निवासी लडोल, डाकघर कोटुवा, तहसील सन्धोल, जिला मण्डी (हि0 प्र0) . . प्रार्थी।

बनाम

आम जनता

. . फरीकदोयम।

श्री रवी कुमार ने इस अदालत में शपथ-पत्र सहित मुकद्दमा दायर किया है कि मुहाल लडोल, तहसील सन्धोल के राजस्व अभिलेख में मेरा नाम रवी लिखा गया है जो गलत है मेरा वास्तविक नाम रवी कुमार है। इसकी दुरुस्ती के आदेश चाहे हैं।

अतः इस इश्तहार द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को उक्त नाम दुरुस्ती करने बारा कोई उजर व एतराज हो तो वह असालतन या वकालतन तारीख पेशी दिनांक 5-7-2012 को सुबह 10.00 बजे हाजिर अदालत होकर अपना उजर पेश कर सकता है। बसूरत गैर-हाजिरी एकतरफा कार्यवाही अमल में लाई जाकर नाम दुरुस्ती करने का आदेश पारित कर दिया जाएगा।

यह इश्तहार आज दिनांक 7-6-2012 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर सहित अदालत से जारी हुआ।

मोहर।

हस्ताक्षरित/—

सहायक समाहर्ता द्वितीय श्रेणी एवं नायब तहसीलदार,  
सन्धोल, जिला मण्डी, हिमाचल प्रदेश।

-----

ब अदालत कार्यकारी दण्डाधिकारी, करसोग, तहसील करसोग, जिला मण्डी, हिमाचल प्रदेश

मिसल नं0 : 17

तारीख मरजुआ : 6-6-2012

तारीख पेशी : 21-7-2012

श्री हेत राम पुत्र श्री सौदू राम, निवासी व डाकघर तेवन, तहसील करसोग, जिला मण्डी, हिमाचल प्रदेश . . प्रार्थी।

बनाम

आम जनता

. . फ्रीकदोयम।

प्रार्थना-पत्र 13 (3) जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण अधिनियम, 1969.

श्री हेत राम पुत्र श्री सौदू राम, निवासी व डाकघर तेवन, तहसील करसोग, जिला मण्डी, हिमाचल प्रदेश ने इस न्यायालय में जिला चिकित्सा अधिकारी मण्डी, जिला मण्डी के माध्यम से प्राप्त हुआ है। प्रार्थी ने अपने प्रार्थना-पत्र के साथ शपथ-पत्र जो दिनांक 6-4-2012 को सत्यापित है व फार्म नम्बर 10 प्रस्तुत करते हुए निवेदन किया है कि उसके पुत्र सुमित्र कुमार की जन्म तिथि 18-5-2009 है किसी कारणवश ग्राम पंचायत तेवन के रिकार्ड में दर्ज न करवा सका और अब वह अपने पुत्र सुमित कुमार की जन्म तिथि दर्ज करवाना चाहता है।

इस संदर्भ में आम जनता को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को हेत राम के पुत्र का नाम सुमित कुमार व जन्म तिथि 18-5-2009 है को ग्राम पंचायत तेवन के रिकार्ड में दर्ज करने बारा कोई उजर/एतराज हो तो वह दिनांक 21-7-2012 को इस अदालत में प्रातः 10.00 बजे पेश कर सकता है; हाजिर न आने की सूरत में एकतरफा कार्यवाही अमल में लाई जाएगी। तथा प्रार्थी हेत राम के पुत्र सुमित कुमार की जन्म तिथि 18-5-2009 है को ग्राम पंचायत तेवन के रिकार्ड में दर्ज करने के आदेश पारित कर दिए जाएंगे।

आज दिनांक 6-6-2012 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर अदालत से जारी हुआ।

मोहर।

हस्ताक्षरित/—  
कार्यकारी दण्डाधिकारी, करसोग,  
तहसील करसोग, जिला मण्डी, हिमाचल प्रदेश।

-----

ब अदालत श्री ज्ञान चन्द ठाकुर, सहायक समाहर्ता द्वितीय श्रेणी, धर्मपुर, जिला मण्डी, हिमाचल प्रदेश

श्री विद्या सागर पुत्र श्री भगत राम, निवासी बिगां

प्रार्थी।

बनाम

आम जनता

दरखास्त बराए दरुस्ती नाम।

प्रार्थी श्री विद्या सागर पुत्र श्री भगत राम, निवासी बिगां, डाकघर बिगां, उप-तहसील धर्मपुर ने इस अदालत में प्रार्थना-पत्र प्रस्तुत करते हुए अपने प्रार्थना-पत्र में उल्लेख किया है कि उसका वास्तविक नाम विद्या सागर है परन्तु कागजात माल मुहाल बिगां में उसका नाम सागर चन्द उर्फ विद्या सागर गलत दर्ज चला आ रहा है। प्रार्थी ने अपने प्रार्थना-पत्र के समर्थन में नकल जमाबन्दी, नकल परिवार रजिस्टर, ब्यान हल्फिया संलग्न कर रखा है।

अतः आम जनता को इस इश्तहार द्वारा सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति आम या खास को उक्त नाम दरुस्त करने बारे कोई उजर/एतराज हो तो वह दिनांक 31-7-2012 को प्रातः 10.00 बजे अदालतन या वकालतन हाजिर होकर पेश कर सकता है अन्यथा हाजिर न आने की सूरत में एकतरफा कार्यवाही अमल में लाई जाकर प्रार्थना-पत्र का निपटारा नियमानुसार कर दिया जाएगा।

आज दिनांक 5-6-2012 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर अदालत से जारी हुआ।

मोहर।

ज्ञान चन्द ठाकुर,  
सहायक समाहर्ता द्वितीय श्रेणी,  
धर्मपुर, जिला मण्डी, हिमाचल प्रदेश।

ब अदालत श्री ज्ञान चन्द ठाकुर, सहायक समाहर्ता द्वितीय श्रेणी, धर्मपुर, जिला मण्डी, हिमाचल प्रदेश

श्री बिक्रम सिंह पुत्र श्री सवरातू, निवासी तरयाम्बला

प्रार्थी।

बनाम

आम जनता

दरखास्त बराए दुरुस्ती नाम।

प्रार्थी श्री बिक्रम सिंह पुत्र श्री सवरातू, निवासी तरयाम्बला, डाकघर लौंगणी, उप-तहसील धर्मपुर ने इस अदालत में प्रार्थना-पत्र प्रस्तुत करते हुए अपने प्रार्थना-पत्र में उल्लेख किया है कि उसका वास्तविक नाम बिक्रम सिंह है परन्तु कागजात माल मुहाल तरयाम्बला में उसका नाम भीखम राम गलत दर्ज चला आ रहा है। प्रार्थी ने अपने प्रार्थना-पत्र के समर्थन में नकल जमाबन्दी, नकल परिवार रजिस्टर व ब्यान हल्फिया संलग्न कर रखा है।

अतः आम जनता को इस इशतहार द्वारा सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति आम या खास को उक्त नाम दुरुस्त करने बारे कोई उजर/एतराज हो तो वह दिनांक 31-7-2012 को प्रातः 10.00 बजे असालतन या वकालतन हाजिर होकर पेश कर सकता है अन्यथा हाजिर न आने की सूरत में एकतरफा कार्यवाही अमल में लाई जाकर प्रार्थना-पत्र का निपटारा नियमानुसार कर दिया जाएगा।

आज दिनांक 5-6-2012 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर अदालत से जारी हुआ।

मोहर।

ज्ञान चन्द ठाकुर,  
सहायक समाहर्ता द्वितीय श्रेणी,  
धर्मपुर, जिला मण्डी, हिमाचल प्रदेश।

-----  
न्यायालय सहायक समाहर्ता प्रथम श्रेणी, सुन्नी, जिला शिमला, हिमाचल प्रदेश

बाद संख्या : 12/XIII-A-I/2012

तारीख मरजुआ : 8-6-2012

जितेन्द्र कुमार

बनाम

आम जनता

प्रार्थना-पत्र बराए दुरुती नाम।

नोटिस बनाम आम जनता।

हरगाह खास व आम को बजरिया नोटिस सूचित किया जाता है कि श्री जितेन्द्र कुमार पुत्र श्री गौरीदत्त, निवासी कोठी, परगना सराज, तहसील सुन्नी, जिला शिमला, हिमाचल प्रदेश ने इस न्यायालय में प्रार्थना-पत्र गुजार कर अभिव्यक्त किया है कि प्रार्थी के पिता का नाम राजस्व अभिलेख में गौरु दर्ज है जोकि गलत है। परन्तु पंचायत रिकार्ड व स्कूल प्रमाण-पत्र में प्रार्थी के पिता का नाम गौरीदत्त दर्ज है जोकि सही व सत्य है। जिसे दुरुस्त करने के लिए प्रार्थना-पत्र प्रस्तुत किया है।

अतः इस प्रार्थना-पत्र बारे आम जनता को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को नाम दुरुस्त करने में कोई आपत्ति हो तो वह अपनी आपत्ति लिखित रूप में दिनांक 10-7-2012 अथवा इससे पूर्व इस न्यायालय को प्रस्तुत करें। तदोपरान्त कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।

हमारे हस्ताक्षर व मोहर अदालत से आज दिनांक 8-6-2012 को जारी हुआ।

हस्ताक्षरित/—  
सहायक समाहर्ता प्रथम श्रेणी, सुन्नी,  
जिला शिमला, हिमाचल प्रदेश।

ब अदालत श्री मुकेश शर्मा, कार्यकारी दण्डाधिकारी, रामपुर बुशैहर, जिला शिमला,  
हिमाचल प्रदेश

मुकद्दमा नं० : 44/2012

तारीख दायर : 13-06-2012

श्रीमती श्याम दासी पत्नी श्री पिशकू राम, निवासी गांव नानण, डा० ज्यूरी, ग्राम पंचायत सराहन,  
तहसील रामपुर बुशैहर, जिला शिमला, हिमाचल प्रदेश प्रार्थी।

बनाम

आम जनता

प्रतिवादी।

प्रार्थना-पत्र जेर धारा 13 (3) जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण अधिनियम, 1969.

नोटिस बनाम आम जनता।

श्रीमती श्याम दासी पत्नी श्री पिशकू राम, निवासी गांव नानण, डा० ज्यूरी, ग्राम पंचायत सराहन, तहसील रामपुर बुशैहर, जिला शिमला, हिमाचल प्रदेश ने इस अदालत में प्रार्थना-पत्र मय शपथ-पत्र गुजारा है कि प्रार्थीया के पोते अभिषेक की जन्म तिथि 15-3-2002 सही व दुरुस्त है। प्रार्थीया के पुत्र का नाम श्री राम लाल व उसकी पत्नी का नाम श्रीमती बबली देवी है। श्रीमती बबली देवी अपने पति को छोड़ कर चली गई है तथा उसने दूसरी शादी कर ली है। उसका नाम पंचायत अभिलेख में दर्ज नहीं था। उसका पुत्र राम लाल दिमागी तौर पर परेशान है तथा राम लाल का एक ही पुत्र है जिसका पालन पोषण प्रार्थीया स्वयं करती आ रही है तथा प्रार्थीया की संरक्षता में पल रहा है। प्रार्थीया के पोते अभिषेक की जन्म तिथि 15-3-2002 का पंजीकरण स्थानीय पंचायत में दर्ज नहीं है। प्रार्थीया अपने पोते के नाम व जन्म का पंजीकरण स्थानीय ग्राम पंचायत सराहन के अभिलेख में दर्ज करवाना चाहती है।

अतः इस इशतहार द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को उपरोक्त प्रार्थी श्रीमती श्यामा दासी के पोते अभिषेक के नाम व जन्म तिथि का पंजीकरण पंचायत अभिलेख में दर्ज करने बारा कोई उजर या एतराज हो तो वह दिनांक 17-7-2012 को या इससे पूर्व प्रातः 10.00 बजे हाजिर अदालत आकर अपनी आपत्ति दर्ज करवा सकता है। बाद गुजरने मियाद कोई भी उजर/एतराज काबिले समायत न होगा तथा नियमानुसार पंचायत अभिलेख में प्रार्थी के पोते का नाम व जन्म तिथि दर्ज करने के आदेश पारित कर दिए जाएंगे।

आज दिनांक 13-6-2012 को मेरे हस्ताक्षर व मोहर अदालत द्वारा जारी किया गया।

मोहर।

मुकेश शर्मा,  
कार्यकारी दण्डाधिकारी,  
रामपुर बुशैहर, जिला शिमला, हिमाचल प्रदेश।

---

**HIGH COURT OF HIMACHAL PRADESH, SHIMLA-171001****NOTIFICATION***Shimla, the 18.06.2012*

**No.HHC/Estt.3 (621)/2009.—05** days commuted leave on and with effect from 04.06.2012 to 08.06.2012 with permission to suffix second Saturday & Sunday on 09.06.2012 & 10.06.2012, is hereby sanctioned, ex-post- facto, in favour of Smt.Bhuvneshwari Bhardwaj Assistant Registrar of this Registry.

Certified that Smt.Bhuvneshwari Bhardwaj has joined the same post and at the same station from where she had proceeded on leave after the expiry of the above leave period.

Certified that Smt. Bhuvneshwari Bhardwaj would have continued to officiate the same post of Assistant Registrar but for her proceeding on leave.

By order,  
Sd/-  
*Registrar General.*

---

**HIGH COURT OF HIMACHAL PRADESH, SHIMLA- 171 001****NOTIFICATION***Shimla, the 14th June, 2012*

**No.HHC/GAZ/14-261/2003.—Hon'ble** the Chief Justice has been pleased to order the cancellation of 2 days' earned leave for 1st and 2nd May, 2012, already sanctioned vide this Registry Notification of even number dated 21.4.2012 in favour of Ms. Parveen Chauhan, Civil Judge (Sr. Division)-cum-JMIC(I), Mandi, H.P.

By order,  
Sd/-  
*Registrar General.*

---

**HIGH COURT OF HIMACHAL PRADESH, SHIMLA - 171 001****NOTIFICATION***Shimla, the 14th June, 2012*

**No.HHC/Admn.16 (18)96-I.—Hon'ble** the Chief Justice, in exercise of the powers vested in him U/S 139(b) of the Code of Civil Procedure, 1908, U/S 297(b) of the Code of Criminal procedure, 1973 and Rule 5(vi) of the H.P. Oath Commissioners(Appointment & Control) Rules, 2007 has been pleased to appoint Ms. Anita Negi, Advocate, Rampur Bushahr, H.P., as Oath Commissioner at Rampur Bushahr, for a period of two years, with immediate effect, for administering oaths and affirmations on affidavits to the deponents, under the aforesaid Codes and Rules.

By order,  
Sd/-  
*Registrar General.*



---

**HIGH COURT OF HIMACHAL PRADESH, SHIMLA - 171 001****NOTIFICATION***Shimla, the 12th June, 2012*

**No.HHC/Admn.16 (13)74-VII.**—Hon'ble the Chief Justice, in exercise of the powers vested in him U/S 139(b) of the Code of Civil Procedure, 1908, U/S 297(b) of the Code of Criminal Procedure, 1973 and Rule 5(vi) of the H.P. Oath Commissioners (Appointment & Control) Rules, 2007 has been pleased to appoint Ms. Shallu, Ms. Anita Kumari, Ms. Neelam Kumari, Sh. Devinder Sharma and Sh. Nipun Thakur, Advocates of Shimla as Oath Commissioners at Shimla for a period of two years, with effect from 8.7.2012 for administering oaths and affirmations on affidavits to the deponents, under the aforesaid Codes and Rules.

By order,  
Sd/-  
*Registrar General.*

---

**HIGH COURT OF HIMACHAL PRADESH, SHIMLA - 171 001****NOTIFICATION***Shimla, the 14th June, 2012*

**No.HHC/Admn.16 (34)89-I.**—Hon'ble the Chief Justice, in exercise of the powers vested in him U/S 139(b) of the Code of Civil Procedure, 1908, U/S 297(b) of the Code of Criminal Procedure, 1973 and Rule 5(vi) of the H.P. Oath Commissioners (Appointment & Control) Rules, 2007 has been pleased to appoint Sh. Avinash Thakur and Ms. Ritika Devi, Advocates, Dalhousie as Oath Commissioners at Dalhousie, H.P., with immediate effect for a period of two years, for administering oaths and affirmations on affidavits to the deponents, under the aforesaid Codes and Rules:

By order,  
Sd/-  
*Registrar General.*

---

**HIGH COURT OF HIMACHAL PRADESH AT SHIMLA-171 001****NOTIFICATION***Shimla, the 16th June, 2012*

**No.HHC/Admn.16 (8)74-III.**—Hon'ble the Chief Justice, in exercise of the powers vested in him U/S 139(b) of the Code of Civil Procedure, 1908, U/S 297(b) of the Code of Criminal Procedure, 1973 and Rule 5(vi) of the H.P. Oath Commissioners (Appointment & Control) Rules, 2007 has been pleased to appoint Sh. Pankaj, Advocate, Nadaun, as Oath Commissioner at Nadaun, H.P. for a period of two years, with immediate effect, for administering oaths and affirmations on affidavits to the deponents, under the aforesaid Codes and Rules.

By order,  
Sd/-  
*Registrar General.*

---

**HIGH COURT OF HIMACHAL PRADESH, SHIMLA - 171 001****NOTIFICATION***Shimla, the 16th June, 2012*

**No.HHC/Admn.16 (8)74-III.**—Hon'ble the Chief Justice, in exercise of the powers vested in him U/S 139(b) of the Code of Civil Procedure, 1908, U/S 297(b) of the Code of Criminal Procedure, 1973 and Rule 5(vi) of the H.P. Oath Commissioners (Appointment & Control) Rules, 2007 has been pleased to appoint Ms. Sunita Devi and Sh. Anoop Kumar, Advocates, Hamirpur, as Oath Commissioners at Hamirpur, H.P. for a period of two years, with immediate effect for administering oaths and affirmations on affidavits to the deponents, under the aforesaid Codes and Rules.

By order,  
Sd/-  
*Registrar General.*

---

**HIGH COURT OF HIMACHAL PRADESH, SHIMLA – 171 001****NOTIFICATION***Shimla, the 18th June, 2012*

**No. HHC/GAZ/14-255/2002-I.**—Hon'ble the Chief Justice has been pleased to grant 10 days earned leave *w.e.f.* 28.6.2012 to 7.7.2012 with permission to suffix Sunday falling on 8.7.2012 in favour of Mrs. Kanta Verma, Civil Judge (Sr. Division)-*cum*-JMIC (II), Palampur, H.P.

Certified that Mrs. Kanta Verma is likely to join the same post and at the same station from where she proceeds on leave, after expiry of the above period of leave.

Also certified that Mrs. Kanta Verma would have continued to hold the post of Civil Judge (Sr. Division)-*cum*-JMIC (II), Palampur, but for her proceeding on leave for the above period.

By order,  
Sd/-  
*Registrar General.*

---

**HIGH COURT OF HIMACHAL PRADESH, SHIMLA – 171 001****NOTIFICATION***Shimla, the 18th June, 2012*

**No.HHC/GAZ/14-254/2002-I.**—Hon'ble the Chief Justice has been pleased to grant 10 days earned leave *w.e.f.* 28.6.2012 to 7.7.2012 with permission to suffix Sunday falling on 8.7.2012 in favour of Shri Naresh Kumar Civil Judge (Sr. Division)-*cum*-JMIC (I), Palampur, H.P.

Certified that Shri Naresh Kumar is likely to join the same post and at the same station from where he proceeds on leave, after expiry of the above period of leave.

Also certified that Shri Naresh Kumar would have continued to hold the post of Civil Judge (Sr. Division)-cum-JMIC (I), Palampur, but for his proceeding on leave for the above period.

By order,  
Sd/-  
Registrar General.

---

## HIGH COURT OF HIMACHAL PRADESH, SHIMLA – 171 001

### NOTIFICATION

*Shimla, the 15th June, 2012*

**No.HHC/GAZ/14-289/2006.**—Hon'ble the Chief Justice has been pleased to grant 12 days' earned leave *w.e.f.* 18.6.2012 to 29.6.2012 with permission to prefix Sunday falling on 17.6.2012 in favour of Sh. Vivek Sharma, Civil Judge (Jr. Division)-cum-JMIC, Dalhousie, H.P.

Certified that Sh. Vivek Sharma is likely to join the same post and at the same station from where he proceeds on leave after expiry of the above period of leave.

Also certified that Sh. Vivek Sharma would have continued to hold the post of Civil Judge (Jr. Division)-cum-JMIC, Dalhousie, but for his proceeding on leave for the above period.

By order,  
Sd/-  
Registrar General.

---

## HIGH COURT OF HIMACHAL PRADESH, SHIMLA – 171 001

### NOTIFICATION

*Shimla the 18th June, 2012*

**No.HHC/Admn. 6 (23)/74-XIV.**—Hon'ble the Chief Justice in exercise of the powers vested in him under Rule 2(32) of Chapter 1, of H.P. Financial Rules, 2009 has been pleased to declare the Civil Judge (Junior Division)-cum-JMIC, Baijnath as Drawing and Disbursing Officer in respect of the Courts of Civil Judges (Senior Division)- cum-JMICs, Court No.(1) and (2), Palampur and also the Controlling Officer for the purpose of T.A. *etc.* in respect of the establishments attached to the aforesaid courts under head "2014-Administration of Justice" during the leave period of Shri Naresh Kumar and Smt. Kanta Verma, Civil Judges (Senior Division)-cum-JMICs, Court No.1 & (2) Palampur *w.e.f.* 28.6.2012 to 7.7.2012 with permission to suffix Sunday falling on 8.7.2012, or till they returns from leave.

By order,  
Sd/-  
Registrar General.

